AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

फीस जमा करने से पहले डीन, हेड, निदेशक से लें अनुमति

लविवि : यूडीआरसी पोर्टल पर लगातार आ रहीं दिक्कतों के चलते विवि प्रशासन ने जारी किए विस्तृत दिशा-निर्देश, कहा- फीस जमा करने में बरतें सावधानी

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को यूडीआरसी पोर्टल पर फीस जमा करने में लगातार आ रही दिक्कतों को देखते हुए विश्वविद्यालय प्रशासन ने विद्यार्थियों को सम सेमेस्टर का शुल्क जमा करने के लिए विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए हैं। विवि प्रशासन ने कहा है कि शुल्क जमा करने से पूर्व यूजी विद्यार्थियों को डीन, पीजी विद्यार्थियों को अपने हेड व संस्थानों में संचालित पाठ्यक्रम के लिए संबंधित संस्थान के निदेशक से संपर्क करना होगा, जो उन्हें अपने यूडीआरसी छात्र लॉगिन के माध्यम से पोर्टल पर शुल्क जमा करने की अनुमति देंगे। छात्र इन अधिकारियों से फोन पर या ईमेल पर भी संपर्क कर सकते हैं।

विद्यार्थी ऑनलाइन माध्यम में क्रेडिट कार्ड, डेबिट कार्ड या नेट बैंकिंग के माध्यम से शुल्क जमा करना होगा। इसमें कार्ड में भुगतान की समय सीमा देख ले। एक से अधिक कार्ड का उपयोग नहीं किया जा सकता है। कुछ मामलों में पेमेंट गेटवे पर भुगतान का समाधान तुरंत नहीं किया जाता है। यदि भुगतान का तुरंत समाधान नहीं किया जाता है तो छात्रों को सलाह दी जाती है कि वे भुगतान अपडेट होने के लिए 24 घंटे प्रतीक्षा करें। इसके लिए तकनीकी हेल्पलाइन नंबर 0522 4150500 है। प्रत्येक कार्य दिवसों में सुबह 10 बजे से शाम 05 बजे के बीच संपर्क कर सकते हैं। डिमांड ड्राफ्ट का विकल्प उन सभी कार्यक्रमों के छात्रों के लिए उपलब्ध है, जहां शुल्क 40 हजार रुपये से अधिक है। यदि भुगतान डिमांड ड्राफ्ट के माध्यम से किया जाता है तो शुल्क रसीद शाखा के साथ डेटा के मिलान के बाद ही उपलब्ध होगी। बैंक में ड्राफ्ट जमा करने के बाद इसमें 15 कार्य दिवस तक का समय लग सकता है।

लविवि कराएगा सहयुक्त कॉलेजों का एकेडमिक ऑडिट

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय शैक्षणिक सुधार के लिए अपने सहयुक्त कॉलेजों का एकेडमिक ऑडिट कराने जा रहा है। इसके लिए विवि कॉलेजों से एकेडमिक अचीवमेंट से लेकर इंफ्रास्ट्रक्चर सहित 25 बिंदुओं पर जानकारी जुटाएगा। खास बात यह है कि राज्यपाल व कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल की प्राथमिकता वाले महिला उत्थान के मुद्दे को भी इसमें शामिल किया गया है। डीन कॉलेज डवलपमेंट काउंसिल (सीडीसी) प्रो. अवधेश कुमार ने बताया कि विवि ने पिछले साल से विभागों के साथ कॉलेजों के एकेडमिक ऑडिट शुरू की है ताकि कॉलेज भी सतत विकास का हिस्सा बनें और अपने यहां बेहतरी की कवायद करते रहे।

रैंकिंग : लोहिया विवि को छठां तो लविवि को मिला दसवां स्थान

लखनऊ। एक पत्रिका की ओर से जारी सर्वश्रेष्ठ कॉलेज सर्वेक्षण-2021 में सरकारी लॉ कॉलेज की रैंकिंग में डॉ. राम मनोहर लोहिया लॉ यूनिवर्सिटी को छठवां व लखनऊ विवि के इंजीनियरिंग संकाय को दसवां स्थान मिला है। इंडिया टुडे द्वारा जारी रैंकिंग पर विधि विवि के कुलपति प्रो. एसके भटनागर ने कहा कि यह हमारी शैक्षणिक गुणवत्ता को मेंटेन किए रखने का लाभ है। कोरोना काल में हमने विद्यार्थियों को बेहतर सुविधा व संसाधन देने का प्रयास किया। वहीं, लविवि के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने कहा कि इंजीनियरिंग संकाय ने अपने विद्यार्थियों को कोरोना महामारी में भी बेहतर शैक्षणिक वातावरण प्रदान किया है। डीन लॉ प्रो. सीपी सिंह ने रैंकिंग पर खुशी जताते हुए कहा कि पिछले साल भी हम सरकारी संस्थान की रैंकिंग में 10वें स्थान पर थे। कोरोना महामारी के झटके के बाद भी हम अपना स्थान बरकरार रखने में सफल रहे हैं। (माई सिटी रिपोर्टर)

NBT PAGE 4

एलयू में इंग्लैंड और म्यांमार के विद्यार्थी भी करेंगे पढ़ाई

■ **एनबीटी, लखनऊः** लखनऊ यूनिवर्सिटी के इतिहास में पहली वार इंग्लैंड और म्यांमार के छात्र ने एलयू में स्नातक पाठ्यक्रम के लिए आवेदन किया है। इतना ही नहीं, एलयू में यूजी-पीजी पाठ्यक्रमों में इस वार आए विदेशी छात्रों के 371 आवेदनों ने पिछले पांच वर्षों के रेकॉर्ड को तोड़ दिया है। इंग्लैंड के छात्र समाज कार्य विभाग में विकास अध्ययन करना चाहते हैं। वहीं, म्यांमार के छात्र ने प्राचीन भारतीय इतिहास में का अध्ययन करने में रुचि दिखाई है।

यूजी-पीजी के लिए अब तक विदेश से आए 371 आवेदन

एलयू के अंतरराष्ट्रीय छात्र सलाहकार प्रो. आरपी सिंह के मुताबिक, एमबीए, बीबीए जैसे प्रबंधन पाठ्यक्रमों के लिए अधिकतम 20 प्रतिशत आवेदन हैं। विदेशी छात्रों ने भारतीय संस्कृति, हिंदी साहित्य, संस्कृत के अध्ययन और अंग्रेजी और में रुचि दिखाई है। प्राप्त आवेदनों की स्क्रीनिंग के वाद संबंधित देश के दूतावास को सूचना भेजी जाएगी, ताकि प्रवेश की प्रक्रिया पूरी की जा सके।

आचार्य नरेंद्र देव छात्रावास में भी ठहरेंगे विदेशी छात्रः प्रो. आरपी सिंह ने वताया कि आचार्य नरेंद्र देव छात्रावास में भी विदेशी छात्रों के ठहरने की व्यवस्था की जा रही है। पहले इन छात्रों के आवास वलरामपुर अंतरराष्ट्रीय और निवेदिता छात्रावास में थे।

FIRST INDIA PAGE 4

TALL ORDER

LU's Faculty of Law shines bright in national college rankings

The faculty has most number of rare books in the northern region and produces largest number of judicial officers

First India Bureau

Lucknow: The Faculty of Law, University of Lucknow has secured 10th position in Government Law College Ranking and 13th position in general ranking in Best Colleges Survey 2021 conducted by India Today. The Faculty of Law, LU is known for its quality education. This is the only Government Faculty in UP which has secured position in this survey. The Faculty of Law under the leadership of V-C Alok Kumar Rai left no stone unturned even in the pandemic to provide the best academic environment. He with the help of Learning Management System like SLATE spearheaded the academic activities in these testing times. Prof CP Singh and teachers have been leading the faculty in the right direction. The department produces the highest number of judicial officers and prosecution officers in the state. The Faculty has largest number of rare books and legal material in the northern region. It subscribes rich online resources like Manupatra, SCC Online, Lexisnexis.

V-C Alok Kumar Rai planting a sapling on the campus on Sunday.

CONTACT POINTS FOR FEE DEPOSIT

The students submitting the fee of even semesters have to contact the following authorities who would allow them to submit the fee on the portal through their UDRC student login. For UG courses, the contact point is dean's office, for PG, it is head of the departments, while for courses in Institutes director of the institute can be contacted.

The Faculty of Law is known for quality books written by its teachers. It is following the high academic standards set out by Dr RU Singh, who is known as pioneer of legal education in India.

i-NEXT PAGE 4

अधिकारियों से करें संपर्क फिर जमा करें अपनी फीस

PIC: DAINIK JAGRAN I NEXT

लखनऊ यूनिवर्सिटी ने स्टूडेंट्स के लिए जारी किया आदेश

lucknow@inext.co.in

LUCKNOW(4 June): स्टूडेंट्स को सम सेमेस्टर की फीस यूडीआरसी (यूनिवर्सिटी डाटा रिसोर्स सेंटर) पोर्टल पर जमा करने में दिक्कतें आ रही हैं. इसे देखते हुए लखनऊ यूनिवर्सिटी ने आदेश जारी किया है कि फीस जमा करने से पहले स्टूडेंट्स संबंधित अधिकारियों से फोन या ई-मेल पर संपर्क करें.

लग सकते हैं 15 दिन

यूनिवर्सिटी के प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि स्नातक के स्टूडेंट्स को संबंधित एचओडी कार्यालय, परास्नातक के स्टूडेंट्स को संबंधित एचओडी और संस्थानों में संचालित कोर्स के स्टूडेंट्स को संबंधित संस्थान के निदेशक से संपर्क करना होगा. यदि भुगतान डिमांड ड्राफ्ट से किया जाता है तो फीस रसीद शाखा के साथ डेटा के मिलान के बाद ही उपलब्ध होगी. बैंक में ड्राफ्ट जमा करने के बाद इसमें 15 कार्य दिवस तक का समय लग सकता है.

फीस वापसी के लिए आवेदन

डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि यदि किसी स्टूडेंट ने कई भुगतान कर दिए हैं, तो अतिरिक्त फीस वापसी के लिए प्रार्थना पत्र एलयू के कंप्यूटर केंद्र पर दें. साथ में एक से अधिक भुगतानों के प्रमाण, शुल्क रसीद की प्रति जमा करें.

इस नंबर पर करें संपर्क

हेल्पलाइन नंबर 0522 4150500 पर वर्किंग डे में सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक संपर्क करें.

विधि संकाय को कॉलेज सर्वेक्षण में 10वीं रैंक

LUCKNOW : एलयू के विधि संकाय को एक पत्रिका की ओर से आयोजित सर्वश्रेष्ठ कालेज सर्वेक्षण-2021 में सरकारी लॉ कालेज रैंकिंग में 10वां और सामान्य रैंकिंग में 13वां स्थान मिला है. एलयू के प्रवक्ता डा. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि विश्वविद्यालय के विधि संकाय ने सर्वोत्तम शैक्षणिक वातावरण प्रदान करने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ी. उन्होंने अपने स्ट्रैटजिक लर्निंग एप्लीकेशन फार ट्रांसफारमेटिव एजुकेशन (स्लेट) जैसी लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम की मदद से शैक्षणिक गतिविधियां आनलाइन माध्यम से भी जारी रखी.

JAGRAN CITY PAGE I

अधिकारियों से संपर्क कर जमा करें फीस

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय ने सम सेमेस्टर की फीस यूडीआरसी (यूनिवर्सिटी डाटा रिसोर्स सेंटर) पोर्टल पर जमा करने को लेकर आ रही दिक्कतों के लिए रविवार को निर्देश जारी किए हैं। फीस जमा करने से पहले विद्यार्थियों को संबंधित अधिकारियों के फोन नंबर या ई-मेल पर संपर्क करना होगा, जो उन्हें अपने यूडीआरसी छात्र लागइन के माध्यम से पोर्टल पर शुल्क जमा करने की अनुमति देंगे।

विश्वविद्यालय के प्रवक्ता डा. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि स्नातक पाठ्यक्रम के छात्रों को संबंधित संकायाध्यक्ष कार्यालय, परास्नातक पाठ्यक्रम के छात्रों को संबंधित विभागाध्यक्ष और संस्थानों में संचालित पाठ्यक्रम के छात्रों को संबंधित संस्थान के निदेशक से संपर्क करना होगा। यदि भुगतान डिमांड ड्राफ्ट के माध्यम से किया जाता है, तो फीस रसीद शाखा के साथ डेटा के मिलान के बाद ही उपलब्ध होगी। **फीस वापसी के लिए यहां करें आवेदनः** यदि किसी छात्र ने कई भुगतान कर दिए हैं, तो अतिरिक्त फीस वापसी के लिए प्रार्थना पत्र लखनऊ विश्वविद्यालय के कंप्यूटर केंद्र पर दें। साथ में एक से अधिक भुगतानों के प्रमाण, शुल्क रसीद की प्रति जमा करनी होगी। **हेल्पलाइन भी जारी की :** पूछताछ के लिए हेल्पलाइन नंबर 0522 4150500 पर कार्य दिवसों में सुबह 10 बजे से शाम पांच बजे के बीच संपर्क कर सकते हैं।

लविवि : विधि संकाय को कालेज सर्वेक्षण में 10वीं रैंक

लखनऊ विश्वविद्यालय के विधि संकाय को एक पत्रिका की ओर से आयोजित सर्वश्रेष्ठ कालेज सर्वेक्षण-2021 में सरकारी लॉ कालेज रैंकिंग में 10वां और सामान्य रैंकिंग में 13वां स्थान मिला है। विधि संकाय ने सर्वोत्तम शैक्षणिक वातावरण प्रदान करने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ी। उन्होंने अपने स्ट्रैटजिक लर्निंग एप्लीकेशन फार ट्रांसफारमेटिव एजुकेशन (स्लेट) जैसी लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम की मदद से शैक्षणिक गतिविधियां आनलाइन माध्यम से भी जारी रखी। संकाय के पास उत्तरी क्षेत्र में सबसे अधिक दुर्लभ पुस्तकें और कानूनी सामग्री भी संरक्षित है। कोविड महामारी में फैकल्टी ने ई-सामग्री, यू-ट्यूब चैनल आदि के माध्यम से शैक्षणिक गतिविधियों को चालू रखा।

RASHTRIYA SAHARA PAGE 5

फीस जमा करने को लेकर लविवि ने जारी किए निर्देश

लखनऊ (एसएनबी)। लखनऊ विश्वविद्यालय के पोर्टल से फीस भरने और परीक्षा फॉर्म भरने में आ रही तमाम दिक्कतों के वाद लखनऊ विश्वविद्यालय प्रशासन ने रविवार को छात्रों के लिए नए निर्देश जारी किए हैं। लखनऊ विश्वविद्यालय के यूडीआरसी पोर्टल पर सम सेमेस्टर का शुल्क जमा करने से पूर्व विद्यार्थियों को अधिकारियों से संपर्क करना होगा जो उन्हें अपने यूडीआरसी छात्र लॉगिन के माध्यम से पोर्टल पर शुल्क जमा करने की अनुमति देंगे। वर्तमान महामारी की स्थिति में वे अपनी सुविधा के लिए इन अधिकारियों से फोन द्वारा या ई मेल पर संपके कर सकते हैं।

स्नातक पाठ्यक्रम के छात्र संवंधित संकायाध्यक्ष कार्यालय से तथा परास्नातक पाठ्यक्रम के छात्रः संवंधित विभागाध्यक्ष से इसके अलावा संस्थानों में संचालित पाठ्यक्रम के लिए फीस जमा करने से पूर्व संवंधित संस्थान के निदेशक से निर्देश प्राप्त करेंगे। शुल्क ऑनलाइन मोड में क्रेडिट कार्ड, डेविट कार्ड या नेट वैंकिंग के माध्यम से जमा करना होगा।

क्रेडिट कार्ड या डेविट कार्ड के माध्यम से भुगतान के मामले में सुनिश्चित करें कि आपके कार्ड में भुगतान की समुचित सीमा है। एक से अधिक कार्ड का उपयोग नहीं किया जा सकता है। कुछ मामलों में पेमेंट गेटवे पर भुगतान का समाधान तुरंत नहीं किया जाता है यदि भुगतान का तुरंत समाधान नहीं किया जाता है तो छात्रों को सलाह दी जाती है कि वे भुगतान अपडेट होने के लिए 24 घंटे प्रतीक्षा करें। पूछताछ करने के लिए वे तकनीकी हेल्पलाइन 0522 4150500 पर कार्य दिवसों में सुवह 10 वजे से शाम 5 वजे के वीच संपर्क कर सकते हैं।